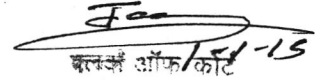


समक्ष माननीय न्यायालय म.प्र. राजस्व मण्डल, ग्वालियर म.प्र.

प्रकरण क्र. /2014-15 निगरानी R 8-III/15

1- साहिद खाँ पुत्र काले खाँ,

श्री डी-25-कुशीवाड़, अंत/15
द्वारा आज दि. 1-1-15 को
प्रस्तुत


कलेक्टर ऑफ कांटे
राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर

जाहिद खाँ पुत्र काले खाँ,
मुसलमान, समस्त निवासीगण-
ग्राम कारौठा, तहसील करैरा, जिला
शिवपुरी (म.प्र.)

.....आवेदकगण

बनाम

1- संजीदा बेगम पत्नी काले खाँ
निवासी- ऐक्सचेंज के पास,
करैरा, तहसील करैरा, जिला
शिवपुरी (म.प्र.)

2- काले खाँ पुत्र नबाव खाँ,
निवासी- करैरा, तहसील करैरा,
जिला शिवपुरी (म.प्र.)

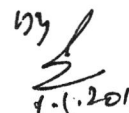
.....अनावेदकगण/रेस्पोंडेंट्स

निगरानी अन्तर्गत धारा 50 म.प्र. भू-राजस्व संहिता, 1959
विरुद्ध प्रकरण क्र./255/2009-10/अपील न्यायालय अनुविभागीय
अधिकारी, करैरा म.प्र. आदेश दिनांक 28.09.2011 एवं नोटिस
दिनांक 10.12.2014 क्र./क्यू/रीडर/तहसील/अमल/2014/1661
न्यायालय तहसीलदार करैरा, जिला शिवपुरी म.प्र.

माननीय महोदय,

सेवा में आवेदकगण की ओर से निगरानी निम्नलिखित प्रस्तुत है:-

प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य:-


Presented
by

1.1.2015
D.S. Kushwaha Ael.

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निग0 8-तीन / 15

जिला शिवपुरी

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
9-7-2015	<p>आवेदकगण के विद्वान अभिभाषक द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया । आवेदकगण की ओर से यह निगरानी अनुविभागीय अधिकारी द्वारा पारित आदेश दिनांक 28-9-2011 एवं तहसीलदार द्वारा पटवारी को लिखे पत्र दिनांक 10-12-2014 के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है, जो कि विधिसंगत कार्यवाही नहीं है, क्योंकि यदि अनुविभागीय अधिकारी के आदेश दिनांक 28-9-2011 के विरुद्ध निगरानी प्रस्तुत किया जाना मान्य किया जाता है, तब यह निगरानी लगभग 3 वर्ष विलंब से प्रस्तुत की गई है और यदि यह निगरानी तहसीलदार के पत्र दिनांक 10-12-2014 के विरुद्ध प्रस्तुत किया जाना मान्य किया जाता है, तब तहसीलदार का पत्र प्रशासकीय पत्र है, जिसके विरुद्ध निगरानी प्रचलन योग्य नहीं है । इसके अतिरिक्त निगरानी विलंब से प्रस्तुत किये जाने के कारण आवेदकगण द्वारा अवधि विधान की धारा 5 के अंतर्गत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जाना था, जो कि प्रस्तुत नहीं किया गया है । इस प्रकार यह निगरानी प्रथम दृष्टया विधि विपरीत प्रस्तुत किये जाने एवं अवधि बाह्य होने से अग्राह्य की जाती है ।</p>	<p style="text-align: right;"> (मनोज गोयल) अध्यक्ष</p>